विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय -संस्कृत दिनांक 06-05-2021

वर्ग-षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

द्वितीयः पाठः

शब्द- परिचयः (संज्ञा)

किसी भी व्यक्ति वस्तु या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं। इन शब्दों को संस्कृत भाषा में तीन लिंगो में विभक्त किया गया है। प्रत्येक लिंग में शब्द तीनों वचनों में होते हैं।

संस्कृत (संज्ञा) शब्द।

पुलिंग स्त्रीलिंग नपुंसक लिंग

संस्कृत भाषा में अनेक पुलिंग शब्द होते हैं जैसे - बालक मुनि साधु आदि परंतु इस पाठ में हम अकारांत पुलिंग शब्द के तीनों वचनों के विषय में पड़ेंगे।

अकारांत जिसका-

जिसका अंतिम अक्षर 'अ' हो ।

पुलिंग-

जिससे पुरुष जाति का बोध हो।

शब्द-

जिसका अर्थ हो

अकारांत पुलिंग शब्दों के रूप निम्न प्रकार चलते हैं-

एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
शब्द+:	**शब्द+ औ**	**शब्द+आ:**
बालक:	**बालकौ**	**बालका:**

अकारांत पुलिंग शब्द के तीनों वचनों में कुछ उदाहरण

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
हंसः (एक हंस)	हंसौ (दो हंस)	हंसा (अनेक हंस)
शुकः (एक तोता)	शुकौ (दो तोते)	शुकाः (अनेक तोते)
अश्वः	अश्वौ	अश्वाः
गजः	गजौ	गजाः
घटः	घटौ	घटाः